

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 05 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-244 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रुपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

महागठबंधन में फ्रेंडली फाइट तो जेडीयू में अंतर्कलह

बिहार एमएलसी चुनावः विधायक अनंत सिंह से तेवर से दिलचस्प हुआ मुकाबला

पटना (एजेंसी)। चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन या विपक्षी दल भले ही एकजुट नजर आ रहे हों, लेकिन बिहार में विधान परिषद चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की तस्वीर अलग दिखाई दे रही है। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव में राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार कई सीटों पर आमने-सामने हैं। वहीं, जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारकर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। बिहार विधान परिषद की चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।



एनडीए ने चार-चार सीटें भाजपा और जदयू के बीच बांटी

एनडीए ने अपने हिस्से की चार-चार सीटें भाजपा और जदयू के बीच बांटी हैं। जदयू ने पटना स्नातक सीट से नीरज कुमार समेत चार उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा भी चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महागठबंधन में सीटों का तालमेल हालांकि पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। राजद ने छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। कोसी स्नातक, दरभंगा स्नातक और पटना स्नातक सीट पर दोनों दलों के उम्मीदवार आमने-सामने हैं।

राजद और कांग्रेस के बीच चुनावी टकराव

वहीं दरभंगा शिक्षक और पटना शिक्षक सीट पर राजद ने उम्मीदवार नहीं उतारा है और यहां कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में हैं। महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच चुनावी टकराव नया नहीं है। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी कई सीटों पर सहयोगी दलों के प्रत्याशी आमने-सामने आए थे। इसे कई जगह फ्रेंडली फाइट कहा गया था। इस बार जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय और बहुकोणीय बनाने की कोशिश की है। पटना स्नातक सीट पर डॉ. अनुज सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। उनके सामने एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार हैं। इस सीट पर जदयू के भीतर का विवाद चुनाव को और दिलचस्प बना रहा है।

बीजेपी ने दो नए राज्यसभा उम्मीदवारों का किया ऐलान

उत्तराखंड से दिनेश आर्य तो बंगाल से कोयल मल्लिक मैदान में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तराखंड में 2026 के राज्यसभा (द्विवार्षिक) पश्चिम बंगाल से रविमणी मल्लिक को अपना उम्मीदवार बनाया है। उत्तराखंड से मौजूदा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल का कार्यकाल पूरा हो रहा है जिसके चलते उपचुनाव की जरूरत पड़ी। एक्ट्रेस से नेता बनीं रविमणी मल्लिक, जिन्हें कोयल मल्लिक के नाम से भी जाना जाता है, हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई हैं। उन्होंने

इस साल जुलाई में तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिससे वह सीट खाली हुई। चुनाव आयोग ने 22 सितंबर को ऐलान किया था कि 16 अक्टूबर को 11 राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव होंगे। हर दो साल में होने वाले चुनावों में जिन 11

सीटों पर वोटिंग होनी है, उनमें से 10 उत्तर प्रदेश से और एक उत्तराखंड से है। पश्चिम बंगाल में चुनाव ऊपरी सदन (राज्यसभा) में खाली हुई एक सीट को भरने के लिए होगा।

महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा

इससे पहले दिन में, बीजेपी ने महाराष्ट्र विधान परिषद के आगामी चुनाव के लिए टीचर्स और ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। बीजेपी ने पुणे डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से सिमता योगेश जाधव, नागपुर डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से सुधाकर विटठलराव कोहले और पुणे डिवीजन टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र से कोस्तुभ मुरलीधर गावड़े को मैदान में उतारा है। यह घोषणा चुनाव वाली पांच सीटों के बंटवारे पर सत्ताधारी गठबंधन के भीतर चर्चा के बाद की गई है।

संक्षिप्त

समाचार

डीएमके ने छोड़ा साथ तो तमिलनाडु में कांग्रेस को मिला नया साथी

इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई

मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके ने शनिवार को इंडिया गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल होने की प्रक्रिया पूरी की। पार्टी के दो मंत्रियों ने चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय, सत्यमूर्ति भवन में गठबंधन की बैठक में हिस्सा लिया। दो घंटे चली इस बैठक में टीवीके के महासचिव और



मंत्री आदव अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। इस साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद डीएमके ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जिला स्तरीय प्रदर्शन करने का फैसला किया था। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने कहा, टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई है। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि बैठक में विजय के इस फैसले का स्वागत करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया।

फिर घर-घर जाएंगे बीएलओ होगा एसआईआर सत्यापन

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक काम में लगाने से बड़ी नाराजगी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत एक बार फिर बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर सत्यापन का काम करना पड़ सकता है। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और मौजूदा सूची का मिलान करने के बाद छूटे मतदाताओं की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद बीएलओ संबंधित लोगों के घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति का सत्यापन करेंगे। इस काम में स्कूल शिक्षकों को फिर बीएलओ के



रूप में लगाने की आशंका से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि पिछले वर्ष नवंबर से एसआईआर का काम शुरू होने के बाद से ही कई स्तर पर पड़ाई प्रभावित हुई। इसके बाद 2026 की शुरुआत में उच्च माध्यमिक परीक्षा और फिर विधानसभा चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शिक्षकों को दी गईं। अब एसआईआर का काम पूरा होने के बाद जनगणना संबंधी जिम्मेदारी और फिर बीएलओ का काम मिलने की आशंका है। शिक्षकों का कहना है कि दुर्गापूजा की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलते ही विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होंगी।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भारतीय पायलट से की बात

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता

स्मित बोले-हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी



घायल होने के बावजूद बहादुरी से किया संघर्ष

कॉकपिट के फर्श पर खून से लथपथ पड़े कैप्टन स्मित को तेज हवाओं की आवाजें और यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने खुद से कहा कि अगर वे इस आखिरी वक्त में हिम्मत नहीं जुटा पाए, तो उनकी और विमान में मौजूद सभी लोगों की जान चली जाएगी। बची हुई पूरी ताकत झोंकर वे उठे, हर बाधा से लड़ते हुए दरवाजे तक पहुंचे और उसे खोल दिया। बाहर कैबिन क्रू और यात्री पहले से सुस्त थे, जो तुरंत कॉकपिट में घुसे और हमलावर को काबू में कर लिया।



इमरजेंसी कुल्हाड़ी से सिर पर लगातार वार

कैप्टन स्मित ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी या बड़ा नुकसान हुआ है। लेकिन इसके तुरंत बाद उनके सिर पर लगातार कई और जोरदार वार किए गए, तब उन्हें समझ आया कि विमान की खराबी नहीं बल्कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा पायलट ही हमला कर रहा है। शुरुआती हमलों के कारण उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा गया और सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा। इसी दौरान उन्हें अहसास हुआ कि विमान बहुत तेजी से सीधे नीचे की तरफ गिर रहा है। उन्होंने एक बार कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उसे तुरंत दोबारा बंद कर दिया।

‘नीट’ मामले में सीबीआई की फाइनल चार्जशीट जल्द

एनटीए अधिकारियों का नाम नहीं होगा शामिल, 13 निजी व्यक्ति हैं आरोपी



नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन एक हफ्ते के अंदर नेशनल एंलिजिबिलिटी कम एट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 पेपर लीक मामले में अपनी दूसरी और आखिरी चार्जशीट दाखिल करने वाली है लेकिन इसमें केंद्र सरकार या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के किसी अधिकारी को आरोपी बनाए जाने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि सीबीआई की जांच में सिर्फ 13 लोगों की भूमिका का पता चल पाया है, जिनमें एनटीए के नियुक्त विषय विशेषज्ञ, कोचिंग सेंटर चलाने वाले, बिचौलिया और

उम्मीदवार शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा, एजेंसी अपनी आखिरी चार्जशीट में किसी भी सरकारी अधिकारी जिसमें एनटीए के पदाधिकारी भी शामिल हैं को आरोपी नहीं बनाएगी। पेपर लीक से जुड़े हालात की जांच में प्राइवेट लोगों के अलावा किसी और की भूमिका साबित नहीं हुई। एक दूसरे अधिकारी ने कहा, इसके साथ ही नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की हमारी जांच पूरी हो जाएगी। 3 मई को परीक्षा और 21 जून को दोबारा परीक्षा देने वाले शशांक मौर्य ने कहा, एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना नीट का पेपर लीक नहीं हो सकता था।

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

रुस ने ड्रोन से निशाना बनाया, 1

की मौत, 400 करोड़ का नुकसान

कीव (एजेंसी)। रुस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुंएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का

मुंबई में किया प्रदर्शन, बोले-सीईसी बीजेपी का हथियार हैं

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में

इस्तीफा मांगा, सीईसी के खिलाफ तीन दिन में तीन प्रदर्शन

हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का



आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, आयोग को नहीं।

हवा में बना अभेद्य सुरक्षा घेरा त्वांटम कंप्यूटर भी होंगे फेल

भारत की ‘वैदिक कवच’ तकनीक ने रच दिया नया इतिहास!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसी कामयाबी हासिल कर ली है जिसे कोई भी बड़े से बड़ा सुपरकंप्यूटर या हैकर भेद नहीं सकेगा। दरअसल देश में पहली बार वायरलेस तरीके से 5.56 किलोमीटर की दूरी तक प्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन यानी कि क्यूकेडी का सफल परीक्षण किया गया है। यह कारनामा क्यूएनयू लैब्स, बिसाग-एन और आआईटी गांधीनगर ने मिलकर किया है। आने वाले समय में जब क्वांटम कंप्यूटर्स के आगे लगभग सभी पासवर्ड और मौजूदा इंटरनेट सुरक्षा फीकी पड़ जाएगी, तो यह स्वदेशी तकनीक भारत के बैंकों, सेना और जरूरी डेटा को पूरी तरह से सुरक्षित रख सकेगी।

आसान भाषा में समझें, तो यह एक गुप्त चाबी बनाने जैसा है, जो दो लोगों के बीच वायरलेस तरीके से भेजी जाती है। उदाहरण के लिए आप कोई जानकारी बक्स में बंद करके किसी को भेजें और उस बक्से की चाबी को वायरलेस तरीके



रात में हुआ 5.56 किमी का सफल परीक्षण

रिपोर्ट्स के मुताबिक (REF), QKD तकनीक के ट्रायल को 27-28 सितंबर की रात को बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर के बीच हवा में लेजर बीम के जरिए किया गया। इसमें क्यूएनयू लैब्स का भी इस्तेमाल हुआ।

से दूसरे शख्स तक पहुंचाएँ, तो रास्ते में कोई चाह कर भी उसकी चाबी को हथिया नहीं

यहां तानाशाह को उखाड़ फेंकने के लिए आए हैं’

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि हम सभी आज यहां पर तानाशाह को ही उखाड़ फेंकने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी वोटर्स को बाहर किया गया है। बंगाल में अभी भी उपचुनाव चल रहा है और लोगों ने वोट देने का अधिकार पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिश्नरों के अपॉइंटमेंट पर मेरे मन में सवाल है। इलेक्शन कमीशन को इलेक्शन के जरिए अपॉइंट किया जाना चाहिए। पहले एक कमेटी थी जिसमें चीफ जस्टिस और कई इंडिया, ग्राम मिनिस्टर और लीडर ऑफ द ओपीजिशन होते थे, लेकिन उन्होंने (केंद्र सरकार) चीफ जस्टिस को इस कमेटी से हटा दिया गया।

भविष्य गढ़ने वाला असली शिल्पकार है शिक्षक

(लेखक- –सुनील कुमार महला)

(5 अक्टूबर विश्व शिक्षक दिवस पर विशेष आलेख)।

शिक्षक को पीढ़ियों का निर्माता और समाज का मार्गदर्शक माना जाता है और वह है भी।सच तो यह है कि शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक हैं और किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था से ही तय होता है।हम सभी यह जानते हैं कि शिक्षा व्यक्ति को केवल पढ़ना-लिखना नहीं सिखाती, बल्कि यह शिक्षा ही होती है जो हमें सोचने, समझने, निर्णय लेने और सही-गलत में अंतर करने की क्षमता देती है। वास्तव में,सच तो यह है कि एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होता है तथा समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी भूमिका निभाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि शिक्षा से आत्मविश्वास, सम्मान, रोजगार और आत्मनिर्भरता का मार्ग खुलता है और एक शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार की दिशा बदल सकता है और एक शिक्षित समाज पूरे राष्ट्र का भविष्य बदल सकता है। शायद इसीलिए यह बात कही जाती है कि धन छिन सकता है, संपत्ति नष्ट हो सकती है, लेकिन शिक्षा वह संपदा है जिसे कोई भी छीन नहीं सकता।

शिक्षकों के योगदान,उनके शिक्षा को समर्पण और शिक्षा में उनकी भूमिका को सम्मान देने के लिए हर वर्ष 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। शिक्षक छात्रों को केवल और केवल ज्ञान ही प्रदान नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, 5 अक्टूबर 1966 को पेरिस में यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के एक विशेष सम्मेलन में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, प्रशिक्षण और रोजगार की स्थितियों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सिफारिश को अपनाया गया था। ऐसे में यहां यह स्पष्ट है कि इस दिवस का आयोजन यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन , यूनिसेफ और एजुकेशन इंटरनेशनल मिलकर करते हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि हमारे देश भारत में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यहां यह गौरतलब है कि विश्व शिक्षक दिवस 5

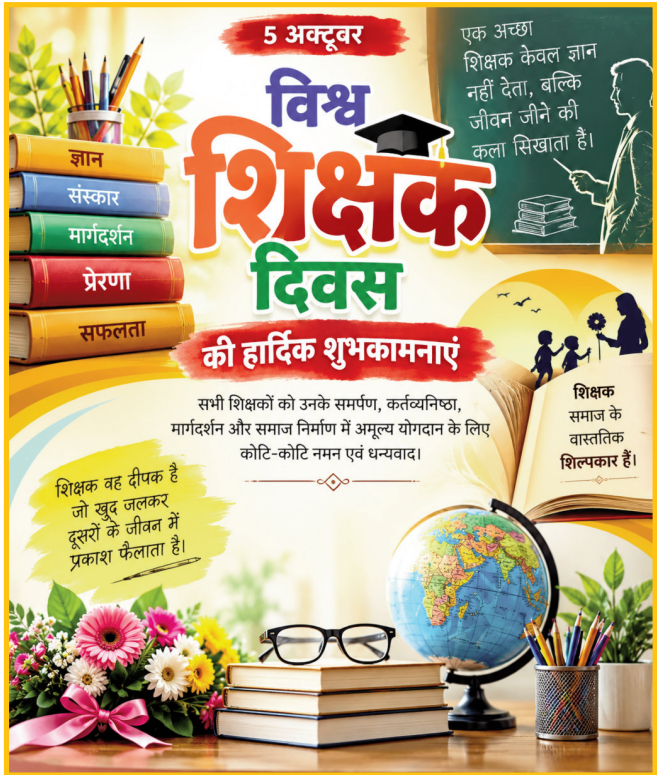
अक्टूबर 1994 से मनाया जा रहा है।

विश्व शिक्षक दिवस मनाने के पीछे के मुख्य उद्देश्यों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करना मसलन –शिक्षकों के काम करने के वातावरण, वेतन, स्वतंत्रता और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना मसलन- समाज को बेहतर बनाने के लिए कुशल और प्रेरित शिक्षकों की आवश्यकता पर बल देना,शिक्षा नीतियों में भागीदारी मसलन सरकार और नीति निर्माताओं को शिक्षा संबंधी निर्णयों में शिक्षकों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही साथ वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा मसलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी कि तकनीक और जलवायु परिवर्तन जैसे नए दौर में शिक्षकों की भूमिका को मजबूत करना आदि हैं।

हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है और यहां पाठकों को बताता चूँ कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम-शिक्षण को सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनर्परिभाषित करना- क्या बदलाव आवश्यक है? रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का मतलब यह है कि शिक्षक केवल और केवल पढ़ाने वाला या शिक्षा प्रदान करने वाला व्यक्ति मात्र ही नहीं है, अपितु वह तो विद्यार्थियों, अभिभावकों, अन्य शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन और समुदाय के साथ मिलकर काम करने वाला एक पेशेवर है। सरल व सीधे शब्दों में अगर कहें तो यह थीम इस बात पर जोर देती है कि बेहतर शिक्षा केवल एक शिक्षक के प्रयास से नहीं, बल्कि सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से संभव है।वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम –शिक्षकों के साथ खड़े होना- पेशे की रक्षा करना, इसकी स्थिति को आगे बढ़ाना और हमारे भविष्य को संवारना रखी गई है। यह थीम 1966 की अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन/यूनेस्को सिफारिशों के 60वें वर्ष की वर्षगांठ को ध्यान में रखकर रखी गई है।

आज एआइ का युग है और एआइ और आधुनिक तकनीक के तेजी से बदलते दौर में शिक्षकों के अधिकारों, उनके कार्य वातावरण और पेशेवर सम्मान की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है।इस वर्ष की थीम यह स्पष्ट करती है कि जब तक समाज शिक्षकों

को सही संसाधन, प्रशिक्षण और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सम्मानजनक स्थान नहीं देगा, तब तक एक मजबूत और समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण संभव नहीं है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के दौर में आज शिक्षकों को नई तकनीकों का ज्ञान और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना तथा उनके सम्मान और पेशेवर गरिमा को मजबूत करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। वास्तव में तभी हमारे शिक्षक बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर नई पीढ़ी को सही ज्ञान, संस्कार और दिशा दे सकेंगे और उसके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर सकेंगे। एआइ के दौर में आज शिक्षकों की भूमिका निरंतर बदलती चली जा रही है। आज तकनीक का तेज दौर है और तकनीक से छात्रों को बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं। मसलन, आज बिना शिक्षकों के ही वे एआइ की सहायता से आसानी से सवालों का जवाब पा लेते हैं, इसलिए आज के दौर में शिक्षक का काम सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन और मेंटरशिप देना बन गया है। चीटिंग रोकना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना आज एक प्रमुख चुनौती बन गया है। आज शिक्षकों को नए डिजिटल तकनीकों के अनुसार ढलना आवश्यक हो गया है, लेकिन आज भी हमारे शहरों और गांवों के बीच इंटरनेट/एआइ सुविधाओं का अंतर तथा प्रशिक्षण की बहुत कमी है। बावजूद इसके एआइ केवल ज्ञान देने का एक मददगार उपकरण जरूर बन सकता है, लेकिन एक सच्चा शिक्षक बच्चे का मार्गदर्शक और जीवन-निर्माता होता है, जिसकी जगह कोई तकनीक नहीं ले सकती।सच तो यह है कि एआइ कभी भी मानवीय सोच, दया, नैतिक मूल्यों और प्रेरणा का मुकाबला नहीं कर सकती है शिक्षकों को भी यह चाहिए कि वे एआइ को अपना दुश्मन नहीं, बल्कि एक मददगार उपकरण मानें ,ताकि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में बेहतर योगदान दे सकें।बच्चे को सही-गलत का फर्क सिखाना, अच्छा बुरा और नैतिक अनैतिक में अंतर करना,



उन्हें अनुशासन में रहना और एक अच्छा ईंसान बनाना केवल मानवीय मार्गदर्शन से ही संभव है। हमें यह याद रखना चाहिए कि बच्चे के मन की बात, उसकी उदासी, खुशी या झिझक को सिर्फ एक शिक्षक समझ सकता है। बच्चों को प्रेरणा और प्रोत्साहन मशीन नहीं दे सकती है, यह वास्तव में एक शिक्षक का ही काम है। (सुनील कुमार महला, फीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

(यह लेखक के व्य किगत विचार हैं।इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

एशियन गेम्स में चमके भारत के सितारे

(लेखक- विश्वास कैलाश सारंग)

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा की चमक को पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरी दुनिया को भारत की बढ़ती खेल शक्ति का परिचय कराया। तिरंगे की आन, बान और शान के लिए मैदान में उतरे हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर पदक तालिका में भारत को गौरवपूर्ण चौथा स्थान दिलाया। यह उपलब्धि केवल पदकों की संख्या नहीं बल्कि भारत की युवा खेल प्रतिभा के निरंतर निखरते सामर्थ्य और वैश्विक खेल मंच पर बढ़ते प्रभाव की स्वर्णिम चमक है। वहीं इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 10 मेडल जिनमें 5 स्वर्ण, 4 रजत 1 कांस्य पदक अर्जित कर अपनी सर्वोच्च प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विशेष योगदान दिया है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज खेल भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया जी के नेतृत्व में खेलो इंडिया जैसी योजना के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने, प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। छोटे शहरों, गांवों और सामान्य परिवारों से आने वाले युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके पास अब केवल प्रतिभा नहीं बल्कि उसे निखारने के लिए अवसर, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी वातावरण भी उपलब्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री जी का यह विजन कि भारत का युवा केवल खेलों में भाग लेने वाला नहीं बल्कि दुनिया में भारत का नेतृत्व करने वाला बने, आज मैदानों में दिखाई दे रहा है। मिट्टी के मैदानों से लेकर आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक, स्कूलों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक, भारत की नई पीढ़ी खेलों को अपना भविष्य बनाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है।

वहीं मध्यप्रदेश में भी हम प्रधानमंत्री जी के विजन को दृष्टिगत रखते हुए एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान के उन्नयन व विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमी संचालित हैं। इन अकादमियों में विश्व स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। नवीन सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स योजना के तहत प्रदेश की सभी 230 विधानसभा में खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है। खेलो इमपी ट्यूथ गेम्स, पांच योजना, खेलो बढ़ो अभियान, टैलेंट सर्व, समर कैंप सहित अन्य आयोजनों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की तलाश और उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस प्रतियोगिता में भारत के खिलाड़ियों ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर विश्व पटल पर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। भारत के कुल पदकों में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसमें कुल 24 पदक जीते गए। इसके बाद शूटिंग का नंबर रहा, जिसमें 15 पदक मिले। इनमें तीन बार खिलाड़ी टॉप पोजिशन पर रहे। बॉक्सिंग में भी तीन स्वर्ण पदक मिले, जिनमें लवलीना बोरगोहेन भी शामिल थीं। आर्चरी में सबसे ज्यादा पांच बार खिलाड़ी शीर्ष पोजिशन पर रहे। अमन सहरावत और सुजीत कलकल ने रेसलिंग में एशियन गेम्स चैंपियन का खिताब जीता। भारत की महिला और पुरुष क्रिकेट, कबड्डी और हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए। नीरू डांडा, कुमकुम मोहोद, गुलवीर सिंह और विद्या रामराज जापान में भारत के प्रमुख प्रदर्शन करने वाले एथलीट में शामिल रहे, जिन्होंने कई पदक जीतने में योगदान दिया। सुधिका तिरियाल ने महिला टेडिशान –60 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भारत का पहला एशियन गेम्स पदक हासिल किया। सेमी-फाइनल में पहुंचने के बाद जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में भी वही कारनामा दोहराया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और इस टूर्नामेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। बाद में पुरुष टीम ने भी पाकिस्तान को फाइनल में करारी शिकस्त देकर अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। वहीं, शूटर नीरू डांडा ने महिलाओं के ट्रैप इवेंट में जीत हासिल करके एशियन गेम्स

2026 में भारत का पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता। मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। इसके साथ ही उन्होंने 1998 के बैंकॉक गेम्स के बाद वेटलिफ्टिंग में भारत के लिए पहला एशियाई गेम्स मेडल हासिल किया। रोशबिना देवी ने भी वुशू में लगातार अपना तीसरा कॉन्टिनेंटल मेडल जीता। सीमा कुमारी ने भी एशियाई गेम्स में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में मेडल जीतकर भारत के 16 साल बाद पदक जीता। कमलजीत और सुरुक्षि सिंह ने मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल जीतने के दौरान एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की। बरानिका इलांगोवन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय पोल वॉल्टर बन गईं। सावन बरवाल ने नया नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए 1982 के बाद मैराथन में भारत का पहला मेडल जीता। स्कैश में, अनाहत सिंह एशियन गेम्स में वूमैस सिंगल्स सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। विथ्या रामराज ने वूमैस 400 मीटर हर्डल रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर 42 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

जैवलिन थ्रो इवेंट में यश वीर सिंह और रोहित यादव ने भारत के लिए दो मेडल पकड़े किए। उन्होंने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते। चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव ने कपांड्र मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर एलए 2028 ओलंपिक क्वॉटा हासिल किया। अंकिता भक्त, कुमकुम मोहोद और कीर्ति शर्मा ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर एशियन गेम्स में भारत के लिए वूमैस टीम रिकर्व इवेंट का पहला गोल्ड मेडल जीता। महान मुक्केबाज मैरी कॉम (इंडियोन 2014) के बाद एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बन गईं। भारत ने 44 साल बाद एशियन गेम्स में महिला हॉकी का खिताब भी जीता। 17 साल की कुमकुम मोहोद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रिकर्व गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। प्रणवी उर्स गोल्फ में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वहीं मध्यप्रदेश के खिलाड़ी भी इस गौरवमयी उपलब्धि में अहम योगदान दिया।

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटक हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह अपने पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और

आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा।

जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके

शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक है।

अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को दूढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

भारतीय खिलाड़ियों का जापान में श्रेष्ठ प्रदर्शन

(लेखक- सनत जैन)

एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया। महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं।

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर दिया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत ने एशिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीत कर पहली बार सारी दुनिया को चौकाया था। 2026 में 2023 का रिकॉर्ड तो भारत नहीं तोड़ पाया लेकिन उसने जो सफलता प्राप्त की है भारत के लिए यह अभियान कई मायनों में अति महत्वपूर्ण रहा। अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने न केवल पदक जीते, बल्कि कई मुकाबलों में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करते हुए आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी उम्मीदें बढ़ाई हैं। खास तौर पर निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

एशियन गेम्स में भारत के खাতে में कुल 21 स्वर्ण पदक आए। इनमें कई ऐसे मुकाबले रहे, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों ने कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। रजत पदकों की संख्या 27 और कांस्य पदकों की संख्या 37 रही। इस तरह भारत ने कुल 85 पदकों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय खेलों में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती जैसे खेलों पर ध्यान बढ़ा है, उसका असर एशियन गेम्स के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया है। निशानेबाजी भारत के लिए प्रमुख पदक दिलाने वाले खेलों में शामिल रही। भारतीय निशानेबाजों ने विभिन्न स्पर्धाओं

में शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण पदक हासिल किए। वहीं तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, एकाग्रता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का परिचय दिया। एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में मिले पदकों ने भारत की पदक तालिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुश्ती में भी भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए।

एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया। महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि

ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। एशियन गेम्स में 85 पदकों के साथ चौथा स्थान भारत के लिए उत्साहजनक परिणाम माना जा सकता है। इस प्रदर्शन से देश के खिलाड़ियों और खेल संघों के सामने अब अगले बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए और बेहतर तैयारी करने की चुनौती भी है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पदक केवल एक-दो खेलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता दिखाई। 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों का यह प्रदर्शन भारतीय खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत देता है। एशियन गेम्स 2026 का भारतीय अभियान इस संदेश के साथ समाप्त हुआ, देश के खिलाड़ी अब एशियाई ही नहीं, बल्कि वैश्विक खेल मंच पर भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

निवेश का रास्ता- रिटर्न से आगे, आपकी जीवनशैली और समय तय करेंगे सही विकल्प

90 फीसदी निवेश ग्युचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में नई दिल्ली ।

लंबी अवधि में धन सृजन के लिए सीधे शेयरों या म्युचुअल फंड में से क्या चुनें, यह सिर्फ रिटर्न का गणित नहीं है। आपकी जीवनशैली, उपलब्ध समय और वित्तीय लक्ष्य इस निर्णय में अहम भूमिका निभाते हैं। व्यस्त पेशेवरों के लिए सही चुनाव उनके करियर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यदि आप प्रति सप्ताह 50 घंटे से अधिक काम करते हैं, तो सीधे शेयरों में निवेश मुश्किल हो सकता है। इसमें कंपनियों के नतीजे पढ़ने, प्रबंधन पर नजर रखने और बाजार को समझने में काफी समय व मानसिक ऊर्जा लगती है। ऐसे में सीधे शेयरों को पोर्टफोलियो के छोटे हिस्से (अधिकतम 10 फीसदी) तक सीमित रखने की सलाह दी जाती है। इसके विपरीत, म्युचुअल फंड व्यस्त पेशेवरों के लिए बेहतर हैं। यहां पेशेवर फंड मैनेजर हजारों निवेशकों का पैसा विभिन्न शेयरों में लगाते हैं, जिससे निवेशक को बाजार पर रोज नजर रखने की आवश्यकता नहीं रहती। लंबी अवधि के लक्ष्यों (सात साल से अधिक) जैसे रिटायरमेंट के लिए म्युचुअल फंड सुविधा और निरंतर वृद्धि का अच्छा मेल है। म्युचुअल फंड एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) से नियमित और स्वचालित निवेश की सुविधा देते हैं, जो बाजार के उतार-चढ़ाव को कम करता है। कर और ब्रोकरेज शुल्क में भी यह अक्सर अधिक सुविधाजनक होते हैं। विशेषतः कोर और सैटेलाइट रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं- 90 फीसदी निवेश म्युचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में, जिससे जोखिम संतुलित रहता है और सीधे निवेश की इच्छा भी पूरी होती है।

सस्ते आईपीओ में निवेश करने वालों को मिला शानदार रिटर्न

ऑफर फॉर सेल वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया नई दिल्ली ।

जनवरी से अगस्त 2023 के दौरान शेयर बाजार में कम मूल्यांकन वाले आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। जिन कंपनियों ने नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई, वहां निवेशकों को खास तौर पर दीर्घकालिक फायदा मिला, जबकि अधिक मूल्यांकन वाले और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया। इस साल कम कीमत वाले आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार फायदा हुआ है, खासकर जब आईपीओ से जुटाई गई रकम सीधे कंपनी के पास गई हो, न कि मौजूदा शेयरधारकों के पास। कैपिटालाइन और प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 20 गुना से कम प्राइस टू अर्निंग (पीई) अनुपात वाले 12 आईपीओ ने 29 सितंबर तक औसतन 45.4 फीसदी का रिटर्न दिया। इनमें से नौ आईपीओ ने मुख्य रूप से नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई थी और उन्होंने औसतन 51.3 फीसदी रिटर्न दिया। इन शेयरों में ज्यादातर बढ़त सूचीबद्धता के बाद हुई, जो औसतन 5.3 फीसदी प्रीमियम पर खुले और तब से सूचीबद्धता के दिन के बंद भाव से औसतन 35.2 फीसदी ऊपर चढ़े हैं। पाईपर सेरिका के एक ओ पिकारी ने बताया कि ज्यादा वैल्यूएशन वाली लिस्टिंग और केवल ओएफएस वाले आईपीओ में निवेशकों के लिए कमाई की गुंजाइश कम बचती है। इसके विपरीत, जिन इश्यू की कीमत कमाई का 30-50 गुना थी, उन्होंने सबसे ज्यादा औसत रिटर्न (58.8 फीसदी) दिया, लेकिन उनका अधिकांश फायदा लिस्टिंग के दिन ही मिल गया। लिस्टिंग के बाद उनमें केवल 10.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, 100 गुना से अधिक कीमत वाले तीन इश्यू ने औसतन सबसे कम 20.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें 133.2 गुना कीमत वाला लीप इंडिया का शेयर अपनी पेशकश कीमत से 13.5 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है।

एप्पल तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है 13 अक्टूबर को

नई दिल्ली ।

आगामी 13 अक्टूबर को एप्पल कंपनी अपने स्मार्ट होम सेगमेंट को मजबूत करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस दिन तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है। एप्पल का लंबे समय से प्रतीक्षित स्मार्ट होम हब होमपैड इसमें प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा होमपैड मिनी का एक नया संस्करण और अपडेटेड एप्पल टीवी भी पेश किए जाने की संभावना है। यह लॉन्च एप्पल के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि होमपैड कंपनी को एक नई प्रोडक्ट कैटेगरी में लागू। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीनों डिवाइस में एप्पल की नई सिरी एआई तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। होमपैड स्मार्ट होम हब में लगभग 6 इंच की स्क्रिन, सिरी एआई, आवाज और चेहरे की पहचान जैसी उन्नत सुविधाएं मिल सकती हैं।

भारत एशिया में नेटएपे का शीर्ष वृद्धि बाजार-सीईओ

कंपनी बीएफएसआई, विनिर्माण और सरकारी क्षेत्रों में तेज वृद्धि देख रही			
लास वेगास ।	आईटी सेवाएं और सरकारी क्षेत्रों को इस वृद्धि का प्रमुख चालक बताया।	क्रुरियन ने कहा कि नेटएपे भारत में अपने कारोबार विस्तार के और अवसर तलाश रही है।	बेंगलुरु स्थित इसका वैश्विक क्षमता केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा है, जहां लगभग 4,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और यह कंपनी के वैश्विक नवोन्मेषण व प्रमुख
डेटा अवसंरचना कंपनी नेटएपे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉर्ज क्रुरियन ने घोषणा की है कि भारत एशिया में उनकी कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने देश में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), विनिर्माण,			

नई दिल्ली । देश में त्योहारी खरीदारी का मौसम शुरू होने के साथ ही प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। कंपनियों ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ डीलर नेटवर्क पर भी स्टॉक मजबूत किया है, ताकि बुकिंग के अनुरूप समय पर डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके और ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को कम किया जा सके। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी महारति सुजुकी इंडिया के पास त्योहारों से पहले करीब 2.2 लाख लंबित बुकिंग हैं। कंपनी ने दो नई उत्पादन

सेंसेक्स को 71,000-71,200 के स्तर पर सपोर्ट मिलने की संभावना, निफ्टी के लिए 22,800 का टारगेट- एक्सपर्ट्स

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ कारोबार समाप्त किया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी संकेतकों के आधार पर निकट अवधि में राहतभरी तेजी (रिलीफ रैली) देखने को मिल सकती है।इतिहास पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी रहा। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा और इसके बाद भी बिकवाली का दबाव बना रहा। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज हुई। पूरे सप्ताह में

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलाशेंगे खनिज संपत्ति
दीर्घकालिक कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उत्पादन लागत को नियंत्रित करने का लक्ष्य
नई दिल्ली ।
भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है।
इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है।
यह कोयला मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और मोजांबिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चूना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है। एनएमडीसी, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क उत्पादक है, अब अन्य खनिजों की खोज में भी विस्तार कर रही है।

बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के लिए आरबीआई रेपो रेट बढ़ा सकता है- विशेषज्ञ

अर्थशास्त्रियों ने अक्टूबर की एमपीसी बैठक में इस बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की है। छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसके फैसले की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। यह बढ़ोतरी फरवरी के प्रयासों के तहत, कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जिससे यह दर 5.25 फीसदी से बढ़कर 5.50 फीसदी हो सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 8

अर्थशास्त्रियों ने अक्टूबर की एमपीसी बैठक में इस बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की है। छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसके फैसले की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। यह बढ़ोतरी फरवरी के प्रयासों के तहत, कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जिससे यह दर 5.25 फीसदी से बढ़कर 5.50 फीसदी हो सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 8

अनुसंधान एवं विकास का केंद्र है। भारत के ऑल-फ्लेश भंडारण बाजार में अग्रणी नेटएपे, भारतीय कर्मचारियों ने साझेदारों के लिए अवसरों और निवेश में वृद्धि कर रही है। क्रुरियन ने कुत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने वाली कंपनियों को पहले अपने डेटा ढांचे को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि वे परिसर-आधारित या लाइन शुरू कर अपनी कुल क्षमता 5 लाख वाहन बढ़ाईं हैं। हूदे मोटर इंडिया ने भी डीलर नेटवर्क में 4-5 सप्ताह का स्टॉक बढ़ाया है और लॉजिस्टिक्स बेहतर की है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन क्षमता 68,000 वाहन प्रति माह तक बढ़ाई है, जिससे आपूर्ति सुधरी और प्रतीक्षा अवधि घटी है। कंपनियों को मजबूत उपभोक्ता धारणा के बल पर इस त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री की उम्मीद है। उनका लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर उपलब्धता प्रदान कर मांग को बिक्री में बदलना है।



क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म बना सकें।



समाचार हट्ट2ह समाचार बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल सेंसेक्स अपने प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। यह 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 75,544.56 और 200-दिवसीय ईएमए

77,684.60 से काफी नीचे है, जो बाजार में कमजोरी का संकेत देता है। हालांकि तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि सेंसेक्स के लिए 71,000 से 71,200 के बीच का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट जारी है, जहां निफ्टी 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज कर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, बढ़ती ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को दबाव में रखा है। हालांकि, इस कमजोर माहौल में भी, ब्रोकरेज फर्म एक्सिस डायरेक्ट ने तीन ऐसे शेयरों की पहचान की है जिनमें अगले कुछ हफ्तों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है। बाजार का मौजूदा रुख कमजोर बना हुआ है, निफ्टी लगातार आठवें, तो बैंक निफ्टी लगातार छठे हफ्ते गिरावट

की चुनौती भी है। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि को देखते हुए, केंद्रीय बैंक को महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधना होगा। आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.7 फीसदी रखा है। यदि रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंकों के लिए कर्ज की लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर रेपो-लिंकड होम लोन और अन्य कर्जों की मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ सकता है।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगभग आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई ।

आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते ब्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रुख को भी करीब से

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं नई दिल्ली ।

रविवार 4 अक्टूबर को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे वाहन चालकों को मामूली राहत मिली है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में ईंधन पुराने दाम पर ही उपलब्ध है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। यह स्थिरता सरकारी तेल कंपनियों के पंपों पर लागू है। देश के अन्य बड़े शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए करों और स्थानीय शुल्कों के कारण भिन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों और रुपए-डॉलर विनिमय दर भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, एक अलग खबर में, निजी तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को अपने पंपों पर पेट्रोल में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह वृद्धि केवल निजी कंपनी के आउटलेट्स पर लागू थी और सरकारी तेल कंपनियों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ।



कमजोर बाजार में भी मजबूत दिख रहे चुनिंदा शेयर

निफ्टी की 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट जारी नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट जारी है, जहां निफ्टी 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज कर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, बढ़ती ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को दबाव में रखा है। हालांकि, इस कमजोर माहौल में भी, ब्रोकरेज फर्म एक्सिस डायरेक्ट ने तीन ऐसे शेयरों की पहचान की है जिनमें अगले कुछ हफ्तों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है। बाजार का मौजूदा रुख कमजोर बना हुआ है, निफ्टी लगातार आठवें, तो बैंक निफ्टी लगातार छठे हफ्ते गिरावट



पुराने बेकआउट स्तर से ऊपर बढ़ रहा है, और सभी प्रमुख मूविंग एवरेज के ऊपर कारोबार कर रहा है। मैकनाइड फार्मा को 2,500-2,450 रुपये के बीच खरीदने की सलाह है, जिसका लक्ष्य 2,695-2,760 रुपये और स्टॉपलॉस 2,365 रुपये है। यह स्टॉक भी

कैनन भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में उतारेगी लिथोग्राफी तकनीक
कंपनी चिप निर्माताओं को तकनीकी सहायता और सेवा केंद्र उपलब्ध कराने की बला रही योजना
नई दिल्ली ।
जापान की इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी दिग्गज कैन्नन भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की तैयारी में है।
कंपनी ने भारतीय चिप निर्माताओं को अपनी उन्नत लिथोग्राफी तकनीक और सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में एक सेवा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। कैन्नन इंडिया के एक ओ धिकारी ने इस कदम को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि कैन्नन, जो चिप निर्माण में उपयोग होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, अपनी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय चिप निर्माताओं को सहयोग देना चाहती है। कंपनी ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है, हालांकि अभी किसी विशेष समझौते की घोषणा नहीं की गई है। ओ धिकारी के अनुसार जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, कैन्नन के लिए सर्मापित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

त्योहार सीजन में कंपनियां दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर आशान्वित

प्रीमियम मांग, आसान ईएमआई और अपग्रेडेशन पर फोकस से मिलेगा बढ़ावा नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले एयर-कंडीशनर और अन्य उपभोक्ता उपकरणों की कीमतों में 5-8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

यह इस साल की तीसरी वृद्धि है, जो कच्चे माल, माल ढुलाई और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। बावजूद इसके विनिर्माता इस बार बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर काफी आशावान हैं। उद्योग का मानना है कि प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, पुराने उपकरणों को बदलने की जरूरत, आसान मासिक किस्त (ईएमआई) सुविधा और उपभोक्ता धारणा में सुधार से बिक्री को मजबूती मिलेगी।

दक्षिण भारत में ओगम के दौरान मिली अच्छी बिक्री से कंपनियों को नवरात्रि और दीपावली के दौरान भी मजबूत मांग की उम्मीद है। हायर अत्यायंसेज इंडिया को मूल्य के आधार पर त्योहारी बिक्री में 30-35 प्रतिशत और मात्रा में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है।

वहीं, सोनी इंडिया 15-20 प्रतिशत की वृद्धि देख रही है, जिसमें प्रीमियम टीवी और इमेजिंग उत्पादों का योगदान अहम होगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भी श्राद्ध पक्ष के दौरान पृष्ठताछ में उत्साहजनक रझान देखा है, जहां लोग नए घर में जाने या मौजूदा घर को अपग्रेड करने के लिए भी उपकरण खरीद रहे हैं। डिशवांशर और वॉटर प्यूरीफायर जैसी नई श्रेणियों में भी मांग बढ़ रही है। हालांकि कीमतें बढ़ी हैं, ग्राहकों के लिए एक राहत है कि वितरकों और डीलरों ने कीमत बढ़ने से पहले पर्याप्त स्टॉक खरीद लिया था।

गोदरेज के अनुसार यह स्टॉक दीपावली तक पुराने दामों पर बाजार में उपलब्ध रह सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ समय तक नई कीमतों के असर से बचने का मौका मिलेगा। आमतौर पर यह त्योहारी मौसम उपभोक्ता उपकरण बनाने वाली कंपनियों की सालाना बिक्री में 30-40 प्रतिशत का योगदान देता है, और इस बार भी कंपनियों को मजबूत वृद्धि की उम्मीद है।



सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहाँ जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहाँ दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएँ। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएँ। भगवान विष्णु के समक्ष धी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।



श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात् 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुनर्भोजन अर्थात् एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाए जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तुष्ट करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।



सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।



आखिर अब वयों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सी डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हेरान कर सकते हैं।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन

कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जगगी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती हैं।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सचाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते हैं।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं। हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।



का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर पालतू जानवर माना जाता है। बिल्ली को पालने से घर में सुख और समृद्धि आती है। बिल्ली को पालने से घर में धन और सफलता मिलती है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है। क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली

अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।



संक्षिप्त

समाचार

सिंगापुर के गांधी स्मारक सभागार में भारतीय समुदाय ने बापू को दी श्रद्धांजलि



सिंगापुर, एजेंसी। तीन अक्टूबर सिंगापुर में भारतीय समुदाय के नेताओं ने शुक्रवार को ‘लिटिल इंडिया’ क्षेत्र में स्थित 73 साल पुराने गांधी स्मारक सभागार में गांधी जयंती मनाई जिसमें भारत की उप उच्चायुक्त सुधी चौधरी ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुधी चौधरी ने कहा कि गांधी जयंती महात्मा गांधी के जीवन और उनकी विरासत का स्मरण कराती है। ‘सिंगापुर इंडियन फाइन आर्ट्स सोसाइटी’ (एसआईएफएएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय समुदाय ने प्रार्थना सभा की और पारंपरिक भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए। चौधरी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘भारतीय संगीत, नृत्य और अन्य कला विधाओं को प्रोत्साहित करने के साथ ही एसआईएफएएस खास तौर पर आज के दिन बापू के चिरस्थायी आदर्शों को सम्मान देने में अहम भूमिका निभाती है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘ये प्रयास हमारे दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु का काम करते हैं, जो लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करते हैं और भारत-सिंगापुर की दीर्घकालिक साझेदारी को और समृद्ध बनाते हैं।’’ ‘एसआईएफएएस न्यासी मंडल’ के चेयरमैन एवं पूर्व राजनयिक शब्बीर हसनभाई ने कहा, ‘‘2022 में शुरू की गई एसआईएफएएस छात्रवृत्तियां शिक्षा के प्रति गांधीजी के नजरिए का सम्मान करती हैं...।’’ महात्मा गांधी के दर्शन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात वक्ता डॉ. शोभना राधाकृष्णन ने भी सभा को संबोधित किया। इस भवन का उद्घाटन 1953 में महात्मा गांधी के सम्मान में किया गया था। कार्यक्रम और छात्रवृत्ति वितरण समारोह के दौरान एसआईएफएएस के छात्रों ने भरतनाट्यम की प्रस्तुतियां दी और पारंपरिक भारतीय संगीत पेश किया।

चीन से तनाव के बीच ताइवान

पहुंचे दो एफ-16 लड़ाकू विमान

बीजिंग, एजेंसी। चीन से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका से मिले 66 एफ-16वी ब्लॉक 70 लड़ाकू विमानों में से पहले दो विमान ताइवान पहुंच गए। सॉफ्टवेयर संबंधी समस्याओं के कारण इन विमानों के पहुंचने में देरी हुई थी। दोनों एफ-16वी विमान शुक्रवार को ताइशूंग स्थित चियांग एयरबेस पर उतरे। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने इसे ताइवान की हवाई रक्षा क्षमता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और अमेरिका के समर्थन के लिए आभार जताया।

धरती से ऊपर बसी 14

इन्सानों की दुनिया, दो स्पेस स्टेशनों पर जमावड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में इस समय 14 इन्सान एक साथ मौजूद हैं, लेकिन इस नया रिकॉर्ड कहना सही नहीं होगा। नासा के स्पेसएक्स क्रू-13 के चार सदस्य शुक्रवार की सुबह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे हैं। चीन के तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर पहले से तीन एस्ट्रोनॉट मौजूद हैं। इस तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में कुल 14 इन्सान एक साथ रहकर काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद सात सदस्यीय एक्सपीडिशन-75 दल में क्रू-13 के चार सदस्य जुड़ गए हैं। इनमें नासा की जेसिका वॉटकिन्स और त्यूक डेलाने, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जोशुआ कूट्रिक और रूस के सर्गेई तेतेर्यानिनकोव शामिल हैं। यहां पांच अमेरिकी, चार रूसी, एक कनाडाई और एक फ्रांसीसी एस्ट्रोनॉट-कॉस्मोनॉट हैं। जो पौधों की वृद्धि और तकनीकी प्रयोगों पर काम करेंगे।

नोबेल के लिए अंतरिक्ष से भी लिए जाएंगे नामांकन

वाशिंगटन, एजेंसी। अब नोबेल शांति पुरस्कार केवल जमीन पर मौजूद नेताओं या संगठनों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसके लिए अंतरिक्ष से भी दावेदारी पर विचार किया जा रहा है। अस्त्रो के पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के हाकोन गजेलॉव और शॉन डेविस ने कहा कि नॉर्वेजियन नोबेल समिति के इस साल के 287 नामांकनों में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का नाम शीर्ष सूची में शामिल हो सकता है।

अमेरिका: ओहायो के श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, खिड़कियां टूटीं; जांच में जुटी एजेंसियां

वाॅशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर ईंटों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे यह घटना हुई। हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि

यह अपमानजनक हमला महात्मा गांधी की जयंती और ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुआ है। सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास, एफबीआई को भी जानकारी हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। संगठन ने कहा कि मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की है। संगठन ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से



आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने को प्राथमिकता देने की अपील की है।

क्या धार्मिक नफरत से जुड़ा है मामला : एचएएफ ने घटना को संभावित हेट क्राइम बताया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि हमले के पीछे धार्मिक मकसद ही था। किसी संदिग्ध का नाम भी सामने नहीं

आया है और गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। संगठन ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ कथित नफरत भरी बयानबाजी की सार्वजनिक रूप से निंदा करने की भी अपील की है।

पुजारी और श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे : कोएलिशन

ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका के मुताबिक, ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में स्थित मंदिर पर ईंटें फेंकी गईं, जिससे उसकी खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय मंदिर के अंदर पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे। हालांकि, संगठन ने यह जानकारी नहीं दी कि हमले में कोई घायल हुआ या नहीं। साथ ही, कितनी खिड़कियां टूटीं, इसका भी सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया है।

मेयर से निंदा और पुलिस से कार्रवाई की मांग : कोहना ने रिचमंड हाइट्स की मेयर किम थॉमस और स्थानीय प्रशासन से घटना की निंदा करने की मांग की है। संगठन ने पुलिस से मामले में तेजी से कार्रवाई करने और

जिम्मेदार लोगों को पकड़ने की अपील की। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ओहायो में हिंदू समुदाय हिंदू हेरिटेज मंथ की शुरुआत कर रहा है।

पहले भी मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं : कोहना ने अमेरिका में हिंदू समुदाय और मंदिरों से जुड़ी पहले की कुछ घटनाओं का रिकॉर्ड भी जारी किया है। इसके अनुसार, अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क के क्वींस स्थित श्री तुलसी मंदिर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया था। दिसंबर 2023 में कैलिफोर्निया के नेवाक स्थित एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में आपत्तिजनक ग्रेफिटी की घटना सामने आई थी।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारत को मिली छूट



शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह प्रोग्राम इमिग्रेशन एंड ट्रस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए बाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है। इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा।

स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस

रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफिकर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है। अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरेबियाई क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी

ज्यादा वहां रुके। जिन आवेदकों पर वीजा बॉन्ड का नियम लागू होगा, उन्हें डीएचएस फॉर्म आई-352 भी जमा करना होगा। इसके अलावा उन्हें अमेरिकी वित्त विभाग के ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पे डॉट जीओवी के जरिए बॉन्ड की शर्तों को स्वीकार करना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि आवेदक कांसुलर अधिकारी के निर्देश मिलने से पहले कोई भ्रगतान न करें। विभाग ने कहा, ‘आवेदक को बॉन्ड जमा करने के लिए फॉर्म आई-352 तभी देना चाहिए, जब कांसुलर अधिकारी उसे ऐसा करने का निर्देश दे।’

वीजा बॉन्ड का पैसा खुद आवेदक या उसकी ओर से कोई तीसरा व्यक्ति जमा कर सकता है। इसमें दोस्त, रिश्तेदार या बिजनेस सहयोगी भी शामिल हो सकते हैं। अगर बॉन्ड से जुड़ी सभी शर्तें पूरी की

जाती हैं, तो जिस व्यक्ति ने रकम जमा की है, उसे पैसा वापस मिलेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह भी साफ किया कि बॉन्ड का पैसा जमा करने का मतलब वीजा मिलने की गारंटी नहीं है। वीजा बॉन्ड जमा करने वाले यात्रियों को अमेरिका में आने और वहां से वापस जाने के लिए कुछ अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। उन्हें कर्माश्रित एयरपोर्ट्स का इस्तेमाल करना होगा। इसमें अमेरिकी कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन की प्रीक्लियरेंस सुविधा वाले स्थान भी शामिल हैं। इस प्रोग्राम की शर्तों के तहत, वे आने-जाने के लिए चार्टर विमान, जनरल एविएशन, जमीन के रास्ते या समुद्री बंदरगाहों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अगर बॉन्ड की शर्तों के संभावित उल्लंघन का मामला सामने आता है, तो उसे यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के पास भेजा जाएगा। यूएससीआईएस तय करेगा कि बॉन्ड की शर्तों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। इस वीजा बॉन्ड प्रोग्राम का मकसद उन मामलों को कम करना है, जिनमें लोग अस्थायी बिजनेस या ट्रस्ट वीजा पर अमेरिका जाते हैं, लेकिन तय समय से ज्यादा वहां रुक जाते हैं। अमेरिकी सरकार डीएचएस के वीजा ओवरस्टे से जुड़े आंकड़ों के आधार पर तय करती है कि किन देशों के नागरिकों पर बॉन्ड की शर्त लागू की जाएगी।

क्रिप्टोकॉरेंसी उद्योग के दिग्गज चांगपेंग झाओ: कहा-लोकतंत्र में सुनवाई नहीं, तानाशाह के राज में काम तेजी से

अबू धाबी, एजेंसी। सफेद निसान

एसयूबी की ड्राइविंग सीट पर बैठे 49 वर्षीय चांगपेंग झाओ (सीजे) विंडशील्ड पर आईफोन टिककर गाड़ी चलाते हुए खुद को किसी आम कैब ड्राइवर की तरह पेश करते हैं और हंसते हुए कहते हैं ये मेरी लैम्बोर्गिनी है। हकीकत यह है कि यह आम आदमी दुनिया के क्रिप्टोकॉरेंसी उद्योग का सबसे अमीर और शक्तिशाली शख्स है, जिसकी कुल संपत्ति लगभग 114 अरब डॉलर यानी करीब 10.83 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों व रूसी सिक्रेट्स के लिए वित्तीय पनाहगाह बनने के आरोपों में जेल भेजे जा चुके झाओ चार महीने की कैद काटकर बाहर आए हैं। अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अप्रत्याशित



प्रेसिडेंशियल पाईन (माफी) पाने के बाद झाओ अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी के सांदियात द्वीप पर 9 बंदरूब वाले आलीशान विला, चार बॉडीगार्ड्स, शेफ और द मून नामक लग्जरी यॉट के साथ बेखोफ जिंदगी बिता रहे हैं। वह किसी राष्ट्रपक्ष की तरह प्राइवेट जेट से एशिया भर के मुल्कों में घूमते हैं। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति के साथ स्क्वींग करते हैं।

ट्रंप के बेटे के साथ गहरे कारोबारी रिश्ते : झाओ के मौजूदा रसूख की सबसे बड़ी

ट्रंप प्रशासनको झटका: टेक्सासमें बॉर्डर वॉल परियोजना पर कोर्ट ने न लगाई रोक; फैसले से किसे मिली राहत?

वाशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की संघीय अदालत ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। इसमें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को राज्य के बिग बेंड इलाके में बॉर्डर वॉल (अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर बनाई जा रही दीवार) और दूसरी बुनियादी सुविधाएं बनाने से फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला इस इलाके के जमीन मालिकों, कारोबारियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी जीत है। ये सभी प्रस्तावित निर्माण परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। ये परियोजनाएं ट्रंप प्रशासन की 46 अरब डॉलर की योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर कई तरह की सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी है। इसमें 30 फुट ऊंची स्टील की दीवारें शामिल हैं। इसके अलावा वाहनों को रोकने वाली बाधाएं, सड़कें और निगरानी की तकनीक भी लगाई जानी है।

कोर्ट ने रोक लगाने की क्या वजह बताई : जज कैथलीन कार्डोन ने अपने आदेश में कहा कि याचिका दायर करने वालों के कम से कम एक दावे पर जीतने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं लगाई गई, तो याचिकाकर्ताओं को गंभीर और ऐसा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई बाद में नहीं की जा सकेगी।

जज ने यह भी कहा कि मामले में दोनों पक्षों के हितों को देखने और जनता के हित को ध्यान में रखने पर

फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जाता है। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग (सीबीपी) और गृह सुरक्षा विभाग ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

विरोध करने वालों का क्या तर्क है : बॉर्डर वॉल परियोजना के विरोधियों का कहना कि टेक्सास का बिग बेंड इलाका बहुत दूर-दराज है। यहां का भू-रूप भी बेहद ऊबड़-खाबड़ है। उनका कहना है कि यह इलाका खुद ही अवैध प्रवास को रोकने का काम करता है। विरोधियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने कानून का उल्लंघन किया है। उनके अनुसार, प्रशासन ने कई नियमों को दिकानार करने के लिए बड़े पैमाने पर छूट दी। इन छूटों के जरिये बॉर्डर वॉल से जुड़ी निर्माण परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश की गई।

याचिका दायर करने वाले संगठन ने क्या कहा : यह मामला सेंटर ऑफ बायोलॉजिकल डायवर्सिटी ने अदालत में उठाया था। संगठन से जुड़े लाइफने जॉर्डहल ने जज कार्डोन के फैसले को ‘पूर्ण जीत’ बताया। जॉर्डहल ने कहा कि बुलडोजर अब वापस भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि अदालत जब तक मामले के मूल मुद्दों पर फैसला नहीं करती, तब तक निर्माण आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने इसे बिग बेंड, टेक्सास और अमेरिकी संविधान के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

बातचीत के दौरान जब झाओ की

गाड़ी अबू धाबी के राष्ट्रपति भवन कस्सर अल वतन के सामने से गुजरी, तो उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली दो सदियों से लोकतंत्र को पवित्र माना जाता रहा है, यदि आपके पास कोई परोपकारी तानाशाह हो, तो व्यवस्था बेहद कुशल हो जाती है।

वहां कोई बेतुकी बहस नहीं होती और फालतू चीजों में समय बर्बाद नहीं होता। झाओ को 2024 में अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के उल्लंघन का दोषी पाया गया और वह कैलिफोर्निया की लोमोफो जेल में 4 महीने कैद में रहे। उनकी कंपनी पर 4.3 अरब डॉलर (करीब 40,850 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगा, झाओ की यह दारुस्तान 21वीं सदी के उस बेलेगाम वित्तीय पूंजीवाद का सबसे चौंकाने वाला आईना है।

एफबीआई के राज अब होंगे बेपर्दा?: काश पटेल की गोपनीय रिपोर्ट ने बढ़ाई हलचल, कौन से मामलों की फिर से होगी जांच?

वाॅशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई में एक गोपनीय रिपोर्ट को लेकर हलचल है। इसे पटेल रिपोर्ट कहा जा रहा है। रिपोर्ट एजेंसी के कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। इसमें एफबीआई के इतिहास के उन हिस्सों की समीक्षा की गई है, जहां संस्था के अनुसार उससे चूक हुई। रिपोर्ट की जानकारी एक आंतरिक संस्था से सामने आई है। हालांकि, इसमें किन घटनाओं का जिक्र है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

आखिर पटेल रिपोर्ट में किन मामलों की जांच होगी : रिपोर्ट में एफबीआई के पुराने काफकाज की समीक्षा की गई है। एजेंसी के संदेश के अनुसार, इसका मकसद उन गलतियों को पहचानना है, जिन्हें अतीत में ठीक नहीं किया गया। संदेश में कहा गया है कि जो हुआ उसे बदल नहीं जा सकता। लेकिन उसकी ईमानदारी से समीक्षा की जा सकती है। इसके जरिए कमियों के स्वीकार करने, जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी गलतियां रोकने के उपायों पर जोर दिया गया है।

काश पटेल के नेतृत्व में यह रिपोर्ट क्यों अहम : एफबीआई के निदेशक काश पटेल पहले भी एजेंसी के पुराने नेतृत्व आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने ऐसे अधिकारियों और मामलों की जांच को बढ़ावा दिया है, जिन पर उनके अनुसार एजेंसी के राजनीतिकरण से जुड़े सवाल हैं। उनके कार्यकाल में कई कर्मचारियों को नौकरी से हटाया भी गया है। इममें कुछ ऐसे



कर्मचारी शामिल थे, जो डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े वर्षों पुराने मामलों की जांच में शामिल रहे थे।

नई रिपोर्ट को लेकर काश पर क्या सवाल उठे : पटेल ने निदेशक बनने से पहले कहा था कि वह पीछे की ओर नहीं देखेंगे। इसके बावजूद उनके कार्यकाल में पुराने अधिकारियों और पुराने मामलों की समीक्षा हुई है। इसी वजह से नई रिपोर्ट को लेकर भी बहस शुरू हुई है। पटेल के समर्थक इसे जवाबदेही की कोशिश के रूप में देखते हैं। उनके आलोचकों का आरोप है कि एफबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक तरीके से किया जा रहा है और पुराने इतिहास को नए नजरिए से पेश करने की कोशिश हो रही है। ये आलोचकों के आरोप हैं। एफबीआई के सह-उप निदेशकों क्रिस्टोफर राइथा और एंड्रयू बेली की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में रिपोर्ट का बचाव किया गया है। संदेश के अनुसार, पुरानी गलतियों को छिपाने के बजाय उनका सामना करना जरूरी है। इसमें जवाबदेही तय करने और जिन चीजों में कमी रही, उन्हें ठीक करने की बात कही गई है। रिपोर्ट को एफबीआई के एक पुराने अध्याय के अंत और नए अध्याय की शुरुआत के रूप में भी बताया गया है।

मुस्लिम वोटर्स के नाम हटाने के मामले में बीजेपी नेता को मिली सशर्त जमानत

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मामले में सियासी घमासान मचा है। इस मामले में बीजेपी नेता डॉ. रवि पाटिल को गिरफ्तारी से राहत मिल गई है। बेलगावी की दूसरी अतिरिक्त जिला और सत्र कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी है। डॉ. रवि पाटिल पर 198 मुस्लिम वोटर्स के नाम एसआईआर के जरिए डिलीट कराने का आरोप था। इस मामले में पाटिल समेत 20-25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पाटिल के खिलाफ मार्केट पुलिस स्टेशन में वार्ड 12 के बीएलओ की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया था। केस दर्ज होते ही रवि पाटिल अंडरग्राउंड हो गए थे। मार्केट पुलिस स्टेशन में रवि पाटिल, प्रशांत मुदिनमनी और शंकर नायक समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन पर फर्जी दस्तावेज, गलत जानकारी देने और शहर में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश का आरोप है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह घटना 22 सितंबर को बेलगावी के वीरभद्रनगर में पोलिंग बुथ 195 और 196 पर हुई थी। आरोप है कि उन्होंने जीवित और कानूनी रूप से वैध वोटर्स के नाम डिलीट कराने की कोशिश की थी। उन पर फॉर्म-7 के जरिए नाम हटवाने का आरोप है।

फिरोजाबाद में जमीन विवाद में महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, जेट पर आरोप

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में नौ बीघा जमीन के विवाद में 38 वर्षीय महिला की हत्या का मामला सामने आया है। नगला खंगर थाना क्षेत्र के कोरारी खेड़ा गांव में सोनी की खेत में घास काटने के दौरान कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतका के जेट नेपाल सिंह पर हत्या का आरोप है। वारदात के बाद से वह फरार है। पुलिस के अनुसार, मृतका के भाई अमृतलाल ने शिकायत में जमीन विवाद को हत्या की वजह बताया है। आरोप है कि नेपाल सिंह अपने छोटे भाई के हिस्से की नौ बीघा जमीन पर कब्जा करना चाहता था। सोनी खेत की देखरेख करती थी और वहां काम करने जाती थी। इसी बात को लेकर विवाद होने का आरोप लगाया गया है। परिजनों के मुताबिक, सोनी के पति संदीप की एक हादसे के बाद मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए वह खेती की जिम्मेदारी संभालती थी। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और नेपाल सिंह के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया। सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ओवैसी की चेतावनी : हैदराबाद में जंतर-मंतर से बड़ा होगा आंदोलन

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची से लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार से जुड़े लोग फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर मतदाता सूची से अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि कुछ जगहों पर पहले से छपे हुए फॉर्म-7 जमा किए जा रहे हैं, जिनमें केवल उस व्यक्ति का नाम लिखा होता है जिसका नाम मतदाता सूची से हटाने की मांग की गई है, लेकिन फॉर्म जमा करने वाले व्यक्ति का नाम और उसकी जानकारी नहीं दी जाती है। उन्होंने इसे पूरी तरह से गलत और लोकतंत्र पर हमला बताया।

पुलिस ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाह रही जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपों पर कॉंकरोच जनता पार्टी के सह संयोजक सौरभ दास ने दिल्ली पुलिस और एसीपी पर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर एसीपी को बचाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने के लिए चेतावनी भी दी है। सौरभ दास ने दावा किया है कि जिनके साथ छेड़छाड़ हुई, वे पत्रकार और अन्य लोग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। वे एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे, लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हम उनके समर्थन के लिए पहुंचे और दिल्ली पुलिस से बात की। दिल्ली पुलिस अड़ी हुई है कि वे एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे। सौरभ ने कहा कि हम दिल्ली पुलिस से पूछना चाहते हैं कि आप ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाहते हैं जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया है। ऐसा क्या है एसीपी विवेक भगत के पास जिसकी वजह से उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। सौरभ ने बताया है कि उन्होंने दिल्ली पुलिस को सोमवार दोपहर तक का समय दिया है। एफआईआर दर्ज ना होने पर उन्होंने फिर एक बार प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको जितने वीडियो खंगालने है, खंगालिए लेकिन आपके पास कल 12 बजे तक का समय है। अगर कल 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो सारे पत्रकार और अन्य समर्थक एक बार फिर थाने के बाहर आएंगे और एफआईआर की कोपी लेकर ही जाएंगे। वहीं अन्य एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस विवेक भगत को बचा रही है और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर रही है। उन्होंने लिखित शिकायत और वीडियो की जांच करने के लिए हमसे कुछ समय मांगा है।

सचिन पायलट ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा- कांग्रेस प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

—पंजाब सरकार पर गैंगस्टरों और नशे पर लगाम लगाने में नाकाम रहने का आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और नशे की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। पायलट ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर आए दिन लोगों को धमका रहे हैं और गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नशे की समस्या को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, एक ओर भाजपा नशामुक्ति यात्रा निकाल रही है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाली नशीले पदार्थों की खेप



रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। कांग्रेस नेता ने रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से सवाल किया कि पिछले 12 वर्षों में सीमा पर नशे की तस्करी के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई

और कितने लोगों को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। पायलट ने दावा किया कि प्रभावी कदम उठाए गए होते

विजय की पार्टी टीवीके ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का किया एलान

-ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 15 को चेन्नई में कई पार्टियां करेंगी विरोध प्रदर्शन

चेन्नई , एजेंसी।

तमिलनाडु के सीएम सी जेसेफ विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिझना वेन्नी कड़गम (टीवीके) ने आधिकारिक तौर पर इंडी गठबंधन में शामिल होने का एलान कर दिया है। शनिवार को चेन्नई स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई गठबंधन की बैठक में टीवीके के दो मंत्रियों ने हिस्सा लेकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। बता दें चेन्नई में हुई इस अहम बैठक में टीवीके के चुनाव प्रबंधन महासचिव और मंत्री आधार अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने इसे गठबंधन के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अभिनेता और नेता विजय के इस फैसले से पूरा गठबंधन और ज्यादा मजबूत होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में यह तय किया गया कि इंडी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार



के खिलाफ प्रदेश भर में जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। गठबंधन दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने मनमाने और गैरकानूनी तरीके से काम किया है, जिसके कारण चुनावी सूची से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काट दिए गए। बता दें ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर 15 अक्टूबर को चेन्नई में होने वाले विरोध प्रदर्शन में टीवीके के अलावा कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीएम, आईएमएल, एमडीएमके और सीपीआई(एमएल) जैसी तमाम पार्टियां एक मंच पर नजर आएंगी। इस मामले में एमडीएमके नेता वाइको ने कहा कि शनिवार को बैठक में शामिल होना महज पहला कदम है। आने वाले समय में टीवीके इंडी गठबंधन की राष्ट्रीय बैठकों में भी हिस्सा लेगी।

यूपी देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य, 10 सालों में निर्यात दो लाख करोड़ के पार

-सीएम योगी बोले- भदोही का कालीन हुनर अब विकास और वैश्विक बाजार से जुड़ रहा

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि यह प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है और इसके निर्यात में भदोही के कालीन उद्योग का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रदेश का निर्यात करीब 2.27 गुना बढ़कर दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पहले भदोही का हुनर अपनी राह तलाशता था। आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है।



उन्होंने कहा कि जिन कारीगरों के हुनर ने भदोही के कालीनों को दुनिया तक पहुंचाया, उन्हें 2017 से पहले बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब यह हुनर विकास और वैश्विक बाजार, दोनों से जुड़ रहा है। सीएम ने कहा कि हाथ से बनी भदोही की कालीनों की मांग आज पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है, जो वैश्विक मंच पर यूपी के हुनर का लोहा

मनवा रही हैं।

उन्होंने बताया कि एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण की रविवार को शुरुआत हुई। इस अवसर पर वह कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और उद्यमियों से संवाद किया। योगी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान भदोही, औराई और ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ रुपए से ज्यादा की 112 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा और कई योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। योगी ने कहा कि कारीगर के हाथ को सम्मान, उद्यम को विस्तार, युवाओं को रोजगार और भदोही को समृद्धि, यही नए यूपी में विरासत और विकास के संगम की नई पहचान है।

बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान, भविष्य के गंभीर चक्रवातों का दे रहा संकेत

-अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम को बड़े पैमाने पर बदल सकती है

कोलकाता, एजेंसी।

बंगाल की खाड़ी का लगातार बढ़ता समुद्री तापमान मौसम वैज्ञानिकों के लिए एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। समुद्र की सतह का तापमान और उसमें जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम के मिजाज को बड़े पैमाने पर बदल सकती है, जिससे पूर्वी तटीय राज्यों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यह क्षेत्र पहले से ही चक्रवातों के लिए बेहद संवेदशील माना जाता है, और समुद्र का अधिक गर्म होना इन तूफानों को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान कर सकता है, जिससे वे कम समय में और अधिक

विनाशकारी बन सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक गंभीर संकेत है, हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अभी कोई खास विनाशकारी चक्रवात दस्तक देने वाला है। चिंता भविष्य के बड़े खतरे को लेकर है। समुद्री विज्ञान शोधकर्ताओं के मुताबिक चक्रवात अपनी ऊर्जा गर्म समुद्री पानी से हासिल करते हैं। समुद्र की सतह का तापमान जितना ज्यादा होता है, उतनी ही ज्यादा गर्मी और नमी तूफान को मिलती है, जिससे उसकी तीव्रता तेजी से बढ़ती है। बंगाल की खाड़ी पहले से ही दुनिया के सबसे ज्यादा चक्रवात प्रभावित समुद्री क्षेत्रों में से एक है। यदि समुद्र का पानी और गर्म होता है, तो तेज और अत्यधिक ताकतवर चक्रवातों का खतरा बढ़ जाएगा, जो जमीन से टकराने से पहले तेजी से मजबूत हो

सकते हैं। इस बढ़ते तापमान का असर केवल चक्रवातों तक सीमित नहीं रहेगा। ओडिशा सहित पूर्वी तट के राज्यों में भविष्य में अत्यधिक बारिश, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा बढ़ सकता है। मछुआरों और समुद्री आजीविका पर निर्भर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, और कृषि पर भी मौसम की अनिश्चितता का नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। हाल के वर्षों में गंभीर मौसम प्रणालियों के व्यवहार में बदलाव देखा गया है। आईआईटी भुवनेश्वर के प्रोफेसर संदीप पटनायक जैसे विशेषज्ञ बताते हैं कि बंगाल की खाड़ी में बनने वाले गहरे दबाव और चक्रवाती सिस्टम अब ज्यादा जटिल तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। ये सिस्टम कई बार तट के पास

ज्यादा समय बिताते हुए या तो तेजी से मजबूत होते हैं या फिर अचानक कमजोर पड़ जाते हैं, जिससे इनकी सटीक भविष्यवाणी करना और भी कठिन हो जाता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में समुद्र की सतह का तापमान आमतौर पर 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो मौसम प्रणालियों को पर्याप्त नमी उपलब्ध कराता है। इस तापमान में मामूली बदलाव भी चक्रवात की ताकत पर बड़ा असर डाल सकता है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात की भविष्यवाणी इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि यहां समुद्र और वायुमंडल के बीच कई तरह की जटिल प्रक्रियाएं एक साथ काम करती हैं। गर्म समुद्र के साथ हवा की दिशा और ऊपरी वायुमंडलीय



परिस्थितियां भी तूफान के रास्ते और ताकत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के लिए समुद्र से ज्यादा से ज्यादा वास्तविक समय का डेटा जुटाना और बेहतर समुद्री निगरानी सिस्टम

स्थापित करना अत्यंत जरूरी है। वैज्ञानिकों का जोर समय रहते इस खतरे को समझने और उससे निपटने की तैयारी मजबूत करने पर है।

पश्चिम बंगाल में छह महीने के भीतर यूसीसी लागू करने का ऐलान

-सीएम सुवेंदु बोले- जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ बनेगा सख्त कानून

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को राज्य में छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और गुजरात के बाद पश्चिम बंगाल में भी इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात भी कही। अधिकारी ने 17 नवंबर को कोलकाता में हनुमान चालीसा पाठ और 29 दिसंबर को ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में गीता पाठ आयोजित करने की जानकारी दी। वह नंदीग्राम उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ के समर्थन में निकाले गए पैदल मार्च में बोल रहे थे। हसीरानी रथ, अधिकारी के दिवंगत करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मां हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती तुणमूल कांग्रेस सरकार पर भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने के लिए सीआईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी की पैर की चोट को लेकर भी सवाल उठाए। अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद वह कानून के तहत जरूरी कदम उठाएंगे। उन्होंने कथित पीड़ित भाजपा कार्यकर्ताओं को कानूनी मदद दिलाने की बात कही।



पुलिस ने विदेशी फंडिंग का एंगल देने ऐसे लोगों को उठाया जिनका सीजेपी से मतलब नहीं

—अभिजीत दीपके ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप, 10 को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फिर से दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी में है। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने एलान किया था कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। इस बीच दीपके ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने रविवार को कहा कि पुलिस ने विदेशी फंडिंग का एंगल देने के लिए ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनका सीजेपी से कोई लेना देना नहीं है। दीपके ने एक्स पर लिखा- दिल्ली पुलिस ने कुछ ऐसे लोगों को उठाया है जिनका सीजेपी से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन विदेशी फंडिंग का एंगल बनाने के लिए उन्हें जबरदस्ती सीजेपी से जोड़ने की कोशिश की गई। एक दोस्त ने बताया कि



उनमें से एक व्यक्ति को पुलिस ने बेरहमी से पिटाई की। उसकी गिरफ्तारी की वजह से नौकरी भी चली गई। सीजेपी ने आरोप

लगाया था कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं से छेड़छाड़ हुई। सीजेपी की रत्ना सिंह ने भी पुलिस पर आरोप

लगाया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- छेड़छाड़ का मामला दिल्ली क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लेकिन इससे यह साफ नहीं होता कि अभी तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की है। जांच शुरू करने से पहले क्राइम ब्रांच को आरोपी एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। बता दें दिल्ली और मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था। विपक्ष और सीजेपी लगातार ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने भी शनिवार को दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदर्शन किया। खात बात यह है कि सीजेपी भी अब 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी में है।

19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7 से 9 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जनवरी को तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार संयुक्त रूप से करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान करेंगी। इस दौरान युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा नेता, उद्यमी, पेशेवर, शिक्षाविद और नवोन्मेषक शामिल होंगे। प्रवासी भारतीय दिवस महात्मा गांधी के 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने की स्मृति में मनाया जाता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय से संपर्क मजबूत करना और देश के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

ऐसी राजनीति देश को गृह युद्ध की ओर ले जा सकती है : निशिकांत

—बीजेपी सांसद ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्ष पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।

चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। दुबे ने आरोप लगाया कि यह पूरा आंदोलन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिक व वोटर बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी राजनीति देश को गृह युद्ध की ओर ले जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने कहा कि राहुल गांधी जितना चाहें विरोध कर सकते हैं, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का



आंदोलन चुनाव आयोग के खिलाफ चलाया जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता एसआईआर को लेकर चुनाव पर सवाल उठा रहे हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दुबे ने 1983 के असम के नेछे नरसंहार का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय मतदाता सूची के

पुनरीक्षण के बिना चुनाव कराने का परिणाम हिंसा के रूप में सामने आया था। दुबे ने इसी संदर्भ में मौजूदा विवाद को जोड़ते हुए कहा कि देश को ऐसी स्थिति की ओर नहीं बढ़ना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों में आंतरिक चुनाव नहीं होते और इन्हें 'अलोकतांत्रिक पार्टियां' बताया। कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों को लेकर उन्होंने 1969 के बाद चुनाव नहीं होने का दावा किया। दुबे ने कहा कि भारत में चुनाव भारतीय नागरिकों द्वारा ही लड़े और जीते जाने चाहिए। उन्होंने बांग्लादेशी या पाकिस्तानी नागरिकों के मतदान के खिलाफ अपनी बात दोहराई।